M.J.C. (Paper-3), Semester-3

Topic :- Sources of Ancient India
प्राचीन भारत के स्रोत

(Notes-3)

संहिता / वेद :-

वेद भारतीय ज्ञान-परंपरा के प्राचीनतम स्रोत है। वेदों को श्रुति कहा जाता है। प्रत्येक वेद चार भागों मे विभाजीत है। :-

1. संहिता
2. ब्राह्मण
3. आरण्यक
4. उपनिषद्

इनमें संहिता वेदों का सबसे प्राचीन और मूल भाग है। इसमें मंत्रों, सूक्तो और स्तुतियों का संकलन है।

• संहिता की परिभाषा :-

संहिता का अर्थ है- संग्रह या संकलन।

संहिता का अर्थ है- संग्रह या संकलन। वेदों के मंत्रों का जो व्यवस्थित संग्रह है, वही संहिता कहलाता है।

ये मंत्र मुख्यतः देवताओं की स्तुति, यज्ञ-विधि और प्राकृतिक शक्तियों के गुणगान से संबन्धित है।

भाषा वैदिक संस्कृत है।

रचना काल : लगभग 1500 ई०पू० — 1000 ई०पू०

यानि प्रारंभिक वैदिक काल।

* चार वेदों की संहिताएँ :—

1. ऋग्वेद संहिता
2. यजुर्वेद संहिता
3. सामवेद संहिता
4. अथर्ववेद संहिता

Scanned with OKEN Scanner